⑥ R.M.M. Law College - Saharsa.

Manvendra Mandal part time Lecturer	Subject - Contract-II Specific Contract	Date 09.05.2020.

प्रत्याभूति के प्रकार
(Kinds of guarantee)

प्रत्याभूति मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है-
① विशिष्ट प्रत्याभूति (Specific guarantee)
② चलत प्रत्याभूति (Continuing guarantee)

① विशिष्ट प्रत्याभूति (Specific guarantee) → विशिष्ट प्रत्याभूति की दशा में surety किसी एक विशिष्ट संव्यवहार के सम्बन्ध में guarantee देता है। उदाहरण के लिए क ख को वचन देता है कि यदि वह ग को 500/रु० ऋण के रूप में देता है और ग द्वारा वापस करने में चूक करता है तो ऐसी स्थिति में वह उक्त ऋण ख को वापस कर देगा। यह एक विशिष्ट प्रत्याभूति है जो केवल एक संव्यवहार के सम्बन्ध में दी गई है। यह guarantee जिस संव्यवहार के सम्बन्ध में दी जाती है, उसके पूरा होने पर, समाप्त हो जाती है। उदाहरण के लिए मुन्ना टुन्ना को वचन देता है कि वह मीना को 500/रु० ऋण के रूप में दे और यदि मीना वापस करने में चूक करेगी तो वह उस रकम वापस कर देगा, तत्पश्चात मीना सम्पूर्ण रुपये टुन्ना को वापस कर देती है। मीना द्वारा रुपया वापस करने के साथ ही प्रत्याभूति समाप्त हो गई। किसी व्यक्ति को किसी पद पर नियुक्त करने के लिए उसकी ईमानदारी के सम्बन्ध में दी गई प्रत्याभूति specific guarantee है न कि चलत प्रत्याभूति।

② चलत प्रत्याभूति (Continuing Guarantee)

चलत प्रत्याभूति से तात्पर्य ऐसी guarantee से है जिसका विस्तार व्यक्ति के संव्यवहारों की अन्तिम श्रृंखला तक होता है। Continuing guarantee में surety एक निश्चित अवधि के अन्तर्गत principal debtor और creditor के मध्य होने वाली सभी संव्यवहारों के लिए guarantee देता है।

उदाहरण के लिए क ख को वचन देता है कि वह एक वर्ष की अवधि में ग को जो भी ऋण देगा